

रांची विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं और महिलाओं ने थामा झामुमो का दामन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संयमधा सांसद डॉ महुआ माजी के आवासीय कार्यालय में रविवार को रांची विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से युवाओं और महिलाओं का हृजूम ने ज्ञारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामा। इस अवसर पर युवाओं और महिलाओं ने एक स्वर्ण में साथ खड़ा होने के लिए हमेशा तत्पर रहती हैं। आप जनता के कार्यों के लिए और रांची का विकास इन्हें के हाथों होगा। इसलिए हम सभी कोई महुआ माजी से प्रेरित होकर हमलोग ज्ञारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम रहे हैं। महुआ माजी



ने सभी को अंग वस्त्र देकर पार्टी में शामिल कराया। वर्षी, सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महुआ माजी ने कहा कि ज्ञारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष वीर शिवु सोरेन के सपनों

के ज्ञारखंड को आगे बढ़ाते हुए मंत्र सोरेन लगातार ज्ञारखंड के तमाम लोगों के लिए हर वह कार्य कर रहे हैं। इससे सभी के जिंदगी में खुशी का पल आये। कहा कि हमारा ज्ञारखंड उन्नति करे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सोमविंश माजी, नन्द किशोर सिंह चौटेल, अनीश वर्मा और अनेमेष रंजन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। सदस्यता ग्रहण करने वालों में अर्जुन वर्मा, बाबूराम जी, रतन प्रसाद, टिकौ

देवी, रिहा देवी, कविता देवी, पूनम गुला, रीना देवी, अरती देवी, रेखा देवी, अंजन देवी, विश्वा देवी, मनोजा देवी, अनिता देवी, विश्वा देवी, अनिल केशरी, पौष्ण तलेजा, किनस गावा, कमलजी खरोड़ी, गुडिया देवी, बविता देवी, रेखा देवी, गविता देवी, मनुज देवी, बविता देवी, आरती देवी, गुडिया देवी, आरती देवी, विश्वा देवी, रेखा देवी, प्रेमला देवी, गविता देवी, अंजु देवी, उर्मिला देवी, सरिता देवी, अनिता देवी, रंजु देवी, वसंती देवी, शोला देवी, सुनीता देवी, देवी, सोना कुमारी, अनुराधा कुमारी, रंजीत यादव, अंजु कुमारी, रंजना देवी, आदि शामिल हैं।

सुदेश महतो ने गरुड़ आई हॉस्पिटल का किया उद्घाटन



खबर मन्त्र संवाददाता

चिकित्सों की भूमिका अतुलीय है। सभी इलाज हर नामांकित का अधिकार है। गरुड़ आई हॉस्पिटल की पौरी टीम अपने वित्तों का निवाहन करती है। अस्पताल के खुलने से लोगों को अंख का इलाज कराने में सहायता होगी।

अस्पताल के निदेशक डॉ अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि अस्पताल के माध्यम से गरुड़ आई हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। उद्घाटन से पूर्व अस्पताल के संसाधनों सदस्य डॉ अभिषेक कुमार सिंह, डॉ मीनाक्षी सिंह, डॉ समीर कुमार और अमित कुमार ने मुख्य अंतिष्ठि सुदेश कुमार महतो और सभी अतिथियों का उद्घाटन किया। सुदेश महतो ने अस्पताल के सभी संसाधनों को शुभकालानामं देते हुए कहा कि हमारा उम्मीद है कि यह अस्पताल लक्ष्य है लोगों में हो रही परेशानियों को छोड़ दें हैं, जो आगे काफी तकलीफ पहुंचाती है। हमारी कोशिश है कि हर जरूरतमंद तक हमारी सेवाएं पहुंच सकें।

स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति का पुनर्गठन

खबर मन्त्र व्यूटी



रांची। रविवार को स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति की वार्षिक राजीव ज्ञान प्रिया ने की। बैठक में 65वें वर्ष छठ पूजा को धूमधार से मनाने का नियम लिया गया। बैठक में वर्ष 2022 के आय-व्यव का ब्लॉक दिवा गया एवं पुरानी कमेटी को भाँग किया गया।

बैठक में स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के संरक्षक राजीव रंजन मिश्र ने जिता ग्रान्ट एवं नियम से आग्रह किया कि पूजा के पहले बड़ा तालाब सहित राजधानी के सभी तालाबों की साफ सफाई कराई जाए। ताकि छठ पूजा संरक्षक बनाया गया। संरक्षक राजीव रंजन मिश्र एवं विनय सरावनी को राजीव रंजन मिश्र के साथ बड़ा तालाब सहित राजधानी के सभी तालाबों की साफ सफाई कराई जाए। ताकि छठ पूजा संरक्षक बनाया गया।

स्नातक युवा के लिए बैंकिंग एसएसली हजारों वैकेंसी के लिए एनआईबीएन में नवी बैच



रांची। प्रयोक वर्ष लालों युवा स्नातक पास करते हैं तथा उनके लिए बैंकिंग, आईबीपीएस, एसएसली, आरबीआई, नावार्ड, एसएसली रेतवे, रेटवे, स्टेट लेवल का सामान। एसएसली में लालों की नैकरियों का सामान एवं नार ग्रान्ट से आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि बैदाना मुग्ध द्वारा आयोजित इस मैराथन में 36000 से ज्यादा लालों ने अलाम-अलग स्पर्धा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 घंटे 4 मिनट में इस दौड़ को पूरा किया। वह इससे पहले दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद के मैराथन में दौड़ चुके हैं।

डॉ अबसार अहनद ने दिल्ली हाफ मैराथन का आयोजन ने लिया नाम

रांची। प्रयोक वर्ष लालों युवा स्नातक पास करते हैं तथा उनके लिए बैंकिंग, आईबीपीएस, एसएसली, आरबीआई, नावार्ड, एसएसली रेतवे, रेटवे, स्टेट लेवल का सामान। एसएसली में लालों की नैकरियों का सामान एवं नार ग्रान्ट से आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि बैदाना मुग्ध द्वारा आयोजित इस मैराथन में 36000 से ज्यादा लालों ने अलाम-अलग स्पर्धा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 घंटे 4 मिनट में इस दौड़ को पूरा किया। वह इससे पहले दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद के मैराथन में दौड़ चुके हैं।

श्री कृष्ण प्रणामी की ओर से वितरण किया गया भोजन

रांची। बैठक में शंखरूप से अविनाश आलम, पूरुषोत्तम मालाकर, दीपुराम, नारायण किंवदं नंद किशोर चांगल, अभिनव अनंद, गोपाल चांगल, मो. परवेज, प्रकाश पाल, इंद्र सिंह, राजु पोदार, राजीव सिंह, प्रचार मंत्री- अरिंदित सिंह, सह प्रचार मंत्री- पिंग चांगल को बनाया गया।

बैठक में मुख्यरूप से अविनाश आलम, पूरुषोत्तम मालाकर, दीपुराम, नारायण किंवदं नंद किशोर चांगल, अभिनव अनंद, गोपाल चांगल, मो. परवेज, प्रकाश पाल, इंद्र सिंह, राजु पोदार, राजीव सिंह, प्रचार मंत्री- अरिंदित सिंह, सह प्रचार मंत्री- पिंग चांगल को बनाया गया।

रांची। सरस्वती शिशु विकास मंदिर समिति (एसएसएसएस) का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को राजघाल लेला गया। जो नेतृत्व में राज्यपाल संग्रह गया। समिति का अध्यक्ष राम अनुज शर्मा सहित दर्जनों सदस्य विवरण करते हुए देखा गया।

रांची। सरस्वती शिशु विकास मंदिर समिति (एसएसएसएस) का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को राजघाल लेला गया। जो नेतृत्व में राज्यपाल संग्रह गया। समिति का अध्यक्ष राम अनुज शर्मा सहित दर्जनों सदस्य विवरण करते हुए देखा गया।

रांची। राज्यपाल ने जिता ग्रान्ट एवं नियम से आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि बैदाना मुग्ध द्वारा आयोजित इस मैराथन में 36000 से ज्यादा लालों ने अलाम-अलग स्पर्धा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 घंटे 4 मिनट में इस दौड़ को पूरा किया। वह इससे पहले दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद के मैराथन में दौड़ चुके हैं।

रांची। राज्यपाल ने जिता ग्रान्ट एवं नियम से आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि बैदाना मुग्ध द्वारा आयोजित इस मैराथन में 36000 से ज्यादा लालों ने अलाम-अलग स्पर्धा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 घंटे 4 मिनट में इस दौड़ को पूरा किया। वह इससे पहले दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद के मैराथन में दौड़ चुके हैं।

रांची। राज्यपाल ने जिता ग्रान्ट एवं नियम से आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि बैदाना मुग्ध द्वारा आयोजित इस मैराथन में 36000 से ज्यादा लालों ने अलाम-अलग स्पर्धा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 घंटे 4 मिनट में इस दौड़ को पूरा किया। वह इससे पहले दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद के मैराथन में दौड़ चुके हैं।

रांची। राज्यपाल ने जिता ग्रान्ट एवं नियम से आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि बैदाना मुग्ध द्वारा आयोजित इस मैराथन में 36000 से ज्यादा लालों ने अलाम-अलग स्पर्धा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 घंटे 4 मिनट में इस दौड़ को पूरा किया। वह इससे पहले दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद के मैराथन में दौड़ चुके हैं।

रांची। राज्यपाल ने जिता ग्रान्ट एवं नियम से आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि बैदाना मुग्ध द्वारा आयोजित इस मैराथन में 36000 से ज्यादा लालों ने अलाम-अलग स्पर्धा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 घंटे 4 मिनट में इस दौड

डॉक्टरों के सलाह पर ही दवा लें

ग

नमजीं से एंटीबायोटिक दवायों खाना या डॉक्टरों अथवा झोलाछप चिकित्सकों द्वारा रोगी को बार-बार हाई भी आता है जब कीमारी में किसी भी तरह की दवा काम नहीं करती। यह स्थिति एंटीबायोटिक रेसिस्टेंसी कहलाती है और हाल ही एक अमरीकी महिला की इस कारण से मौत हो गई। इस मरीज पर 13 तरह की एंटीबायोटिक दवायों का भी असर नहीं हुआ। त्वचानक बात यह है कि मरीज के शरीर में यह खतरनाक सुपरबग भारत में इलाज के लिए आया।

यह था केसः

दो साल पहले भारत आई 70 वर्षीय महिला को पैर की हड्डी में प्रेक्षण व इसमें हुए इफेक्शन के चलाते दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती किया गया था। डॉक्टर द्वारा की गई जरूरी जांचों के आधार पर सेंटर फर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिंटिंग शेन के अनुसार इग रेसिस्टेंस वर्ग के एक दुर्लभ बैक्टीरिया से उसके पार में ब्लड इफेक्शन हुआ और सेंटिक शॉक (इफेक्शन का रक्त के जरिए अच्युत अंगों को नुकसान) के कारण मौत हुई।

दवाओं के बैक्टीरिया के कारण

मुख्य कारण बैक्टीरिया की पहचान के आधार

पर दवा न देना है। अच्छी ब्लिटी, सही तरीके से या दवा का पूरा कोर्स न लेना। एक्सप्यारी या रोग की जानकारी के अधार में कोई भी दवा लेना, बैक्टीरिया का स्वयं: दवा के प्रति अनुसार होना, किसी अच्युत मध्यम से शरीर में आए बैक्टीरिया का शारीरिक सरचना के अनुसार अपर।

क्या रेसिस्टर्ड, पेटर्ड या ईसिडी जैसी परेशनियों में ली जाने वाली दवाएँ ड्रूग रेसिस्टेंस का कारण बन सकती हैं?

नहीं, ये दवा शरीर में होए पैसे अंदरूनी बदलाव के लिए काम करती हैं जो किसी बैक्टीरिया से नहीं हुए है। इसलिए इनसे ड्रूग रेसिस्टेंस नहीं होता। लेकिन इन दवाओं को बिना डॉक्टरी सलाह लेने से निर्धारित अंग से जुड़ी समस्या पर इनका असर धीरे-धीरे कम होने लगता है।

रेसिस्टेंस खत्म करने वाली दवाएँ भी कही बार काम नहीं करती हैं, ऐसा क्यों?

ज्यादातर मामलों में यह शरीर में कोई दवा असर करना बंद कर दे तो इस समस्या को ठीक करना मुश्किल हो सकता है। योग्यक जो बैक्टीरिया धीरे-धीरे एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति असरहीन हो जाते हैं उनपर दूसरी दवाओं का असर नहीं होता। ऐसे में मरीज का इलाज

शुरुआत से कर लेबे समय तक चलता है। ऐसे मरीजों को किस तरह दवा देते हैं ड्रूग रेसिस्टेंस वाले मरीजों को बीमारी की गंभीरता के अनुसार दवा देते हैं इसलिए कोई भी बैक्टीरियल, फैगल या वायरस जनित रोग में बिना कल्पन टैस्ट के दवा न लें। सही जीवाणु की पहचान के आधार पर ही दवा व उसकी डोज तय होती है। डॉक्टर द्वारा बताएँ गए तरीके, डोज, समय व निश्चित गैप में दवा लें।

डॉक्टरी रायः

कुछ बैक्टीरिया धीरे-धीरे एंटीबायोटिक दवा के प्रति असरहीन हो जाते हैं। ऐसे में इनके लिए प्रयोग होने वाली हाई डोज दवाएँ भी काम नहीं पाती। महिला के शरीर में सुपरबग हेल्थ वर्कर के संपर्क में आगे, यूटीआई, किसी ईस्टर्डर्ड या कैथेटर आदि के प्रयोग से पहुंच होगा। एपेंनम, डोरीपरम व मॉक्सिप्रोक्सेसिन रेसिस्टेंस दवाओं को बिना डॉक्टरी



गोरे रंग की दिवानगी



हर लड़की घाती है कि उसका रग गोरा हो और वह सबसे खूबसूरत दिखे। इसके लिए वह तरह-तरह की क्रीम का भी इस्तेमाल करती है। ऐसे में वह भूल जाती है कि घर में भी ऐसी बहुत सी घीजे मौजूद

होती है जिन्हें अपनाकर वह बेदाम और गौरी त्वचा पा सकती है। इससे आप समय और पैसों दोनों की बहत रकर सकती हैं।

1. वेहरा धोएँ

वेहरे पर धूल मिट्टी और गंदगी न बैठने दें। हमेशा अपना चेहरा साफ रखें। इसके अलावा रिक्न के दिनचूर्ण बेंशा अपने पास रखें।

2. नींबू

रोजाना एक नींबू को चेहरे पर रगड़े। ऐसा करने से आप कुछ ही दिनों गौरी त्वचा पाएंगी।

3. दही

दही में प्रोबायोटिक तत्व होते हैं जो त्वचा को साफ कर के उसे अदर से गोंद करते हैं। हर रोज दही से अपने चेहरे की मसाज करें इससे चेहरा दिनों-दिन निखरेगा।

4. हल्दी

हल्दी, चिरौंजी 50-50 ग्रा. लेकर पाउडर बना लें। एक-एक चम्मच सब घीओं को मिलाकर इसमें 6 चम्मच शहद मिलाएँ और नींबू का रस तथा गुलाब जल डालकर पेरस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। 5. संतरे के छिलकों को सुखाकर चूर्ण बना लें। इस पाउडर को हफ्ते में एक बार बिना मलाई के दूध में मिलाकर लाएं, त्वचा में चमक आएंगी।

नेवुरल फूड सबसे अच्छा

बच्चों के शरीर में सही विकास होना बेंद आवश्यक होता है। अपर आपके बच्चे की हड्डियां मजबूत नहीं हैं या उसे आए दिन दर्द होता है तो आपको उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जानिए कौन-कौन से प्राक्तिक उत्पाद आप अपने बच्चे को दें सकती हैं जिसकी मदद से वो स्ट्रंग बन सकता है।

दूध से बने उत्पाद : दूध
से बने उत्पाद जैसे- दही, छाल, पनीर या चीज़ आदि में कैल्शियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इससे बच्चे के शरीर को हड्डी और नींबू की मजबूती दिलाता है।

शकरकंद : शकरकंद में उच्च चम्मच में कैल्शियम होता है जो कि शरीर को स्ट्रंग बनाता है।

बच्चे को शकरकंद कर्क द कर्की या भून कर दें। आप चाहें तो एक हड्डी और नींबू में बिलाकर करें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

सौफ़ की चायः सौफ़ में एंटीबायोटिक गुण होता है और नींबू में विटामिन सी होता है।

नटसः नटस जैसे बादाम में भी कैल्शियम होता है जिसे बच्चे चाय से खा सकते हैं। यह शरीर को मजबूत बनाएँ रखता है।

नटसः नटस जैसे बादाम में भी कैल्शियम होता है जिसे बच्चे चाय से खा सकते हैं। यह शरीर को मजबूत बनाएँ रखता है।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

क्रीमः क्रीम की चायः सौफ़ में एंटीबायोटिक गुण होता है और नींबू में विटामिन सी होता है।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

शहद और नींबू: अगर आप छोटे से तुरंत रहत हाथों हैं तो शहद और नींबू को मिलाकर लें।

